Evershine

echo series

झूमें नाचें गाएँ

बालगीत–2

परिकल्पना
29 बॉक्स स्टूडियो

लेखक
अशोक लव
एम. ए., बी. एड.
(लेखक एवं शिक्षाविद्)
पूर्व हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष
एयर फोर्स स्कूल, सुब्रोतो पार्क
नई दिल्ली

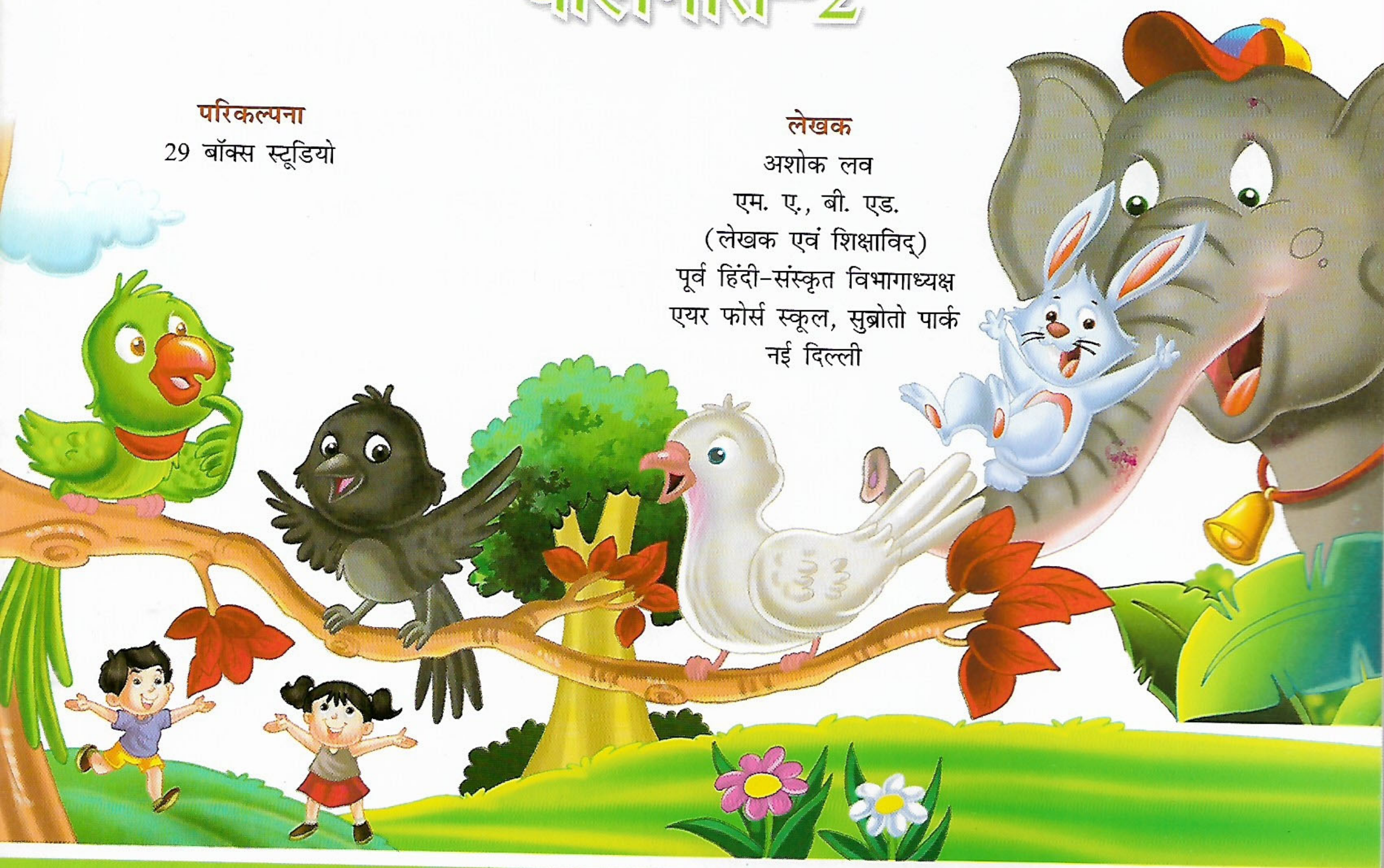

EVERSHINE™ ESP PUBLISHERS
Soni House, WZ-348, Nangal Raya, New Delhi-110046
PH.: 28111758, 28113958, Fax- 28112353
Mobile: 9868877950, 9560408043
E-mail: evershinepub@gmail.com

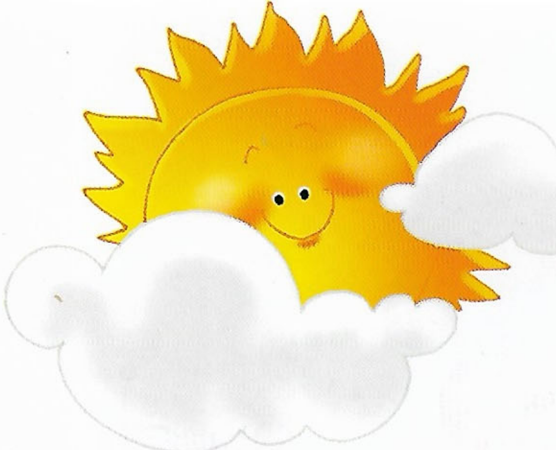

सूरज दादा अब आओ

सूरज दादा आओ न,
ठंड से हमें बचाओ न!
काँप-काँपकर काँपें हम,
और न अब है हममें दम,
आकर हमें बचाओ न!
सूरज दादा आओ न!
कितने कपड़े पहनें हम,
स्कूल न अब जा पाएँ हम,
आकर शक्ल दिखाओ न!
सूरज दादा आओ न!

सर्दी से बचने के लिए इन्हें पहनते और ओढ़ते हैं। पहचानकर इनके नाम बोलो।

उत्तर दें

1. सर्दी में आप क्या ओढ़कर सोते हैं?
2. सर्दियों में इनमें से आप क्या-क्या पहनकर स्कूल जाते हैं?
3. मफ़लर कहाँ लपेटते हैं?
4. हाथों को ठंड से कौन बचाते हैं?

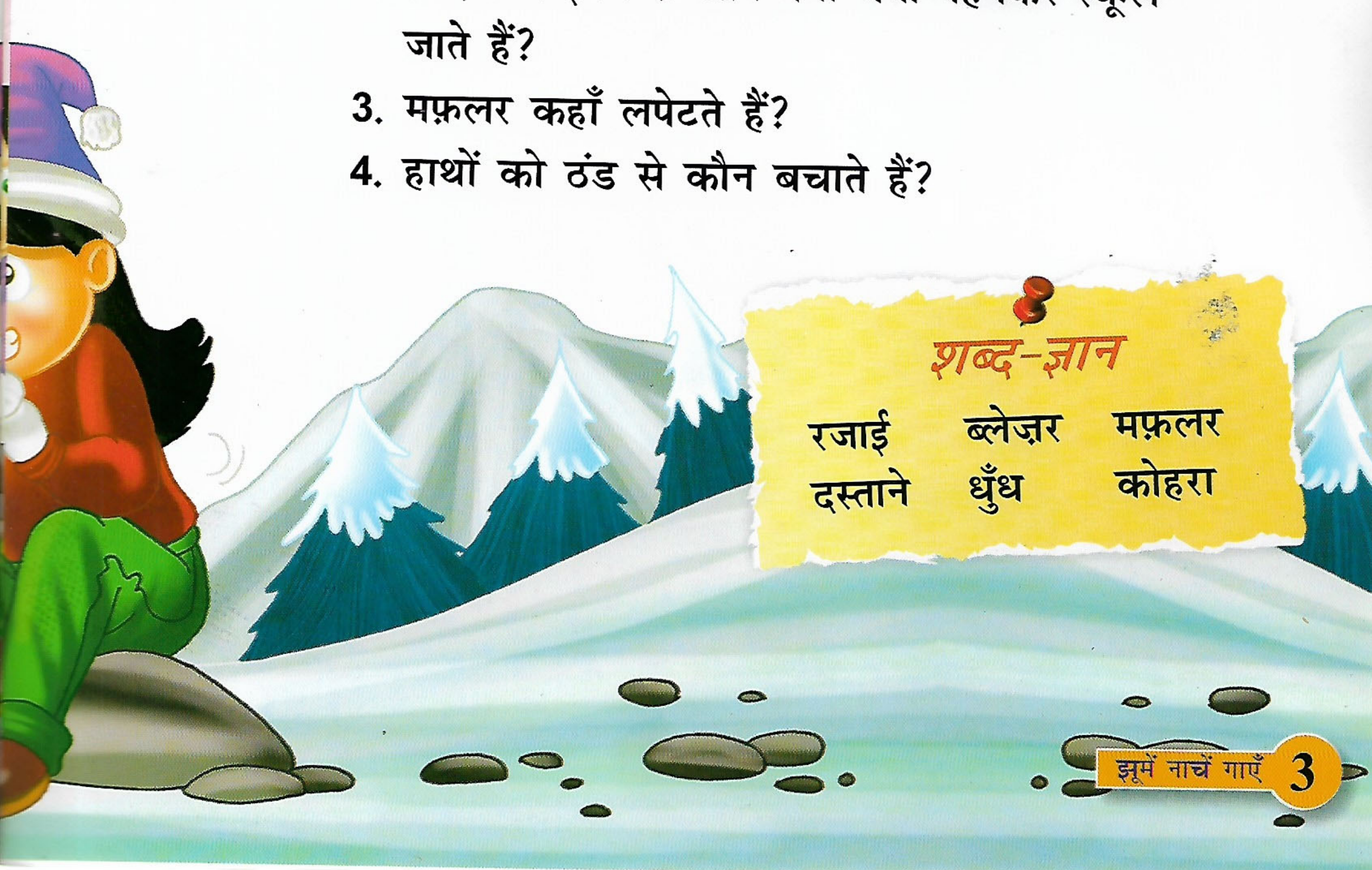

शब्द-ज्ञान

रजाई	ब्लेज़र	मफ़लर
दस्ताने	धुँध	कोहरा

किट्टू की ज़िद्द

मैं भी स्कूल जाऊँगी,
करो मुझे तैयार।
खूब पढ़कर आऊँगी,
ले दो कॉपी चार।

किट्टू की ज़िद्द देखकर,
मम्मी हुई हैरान।
आइसक्रीम मिलते ही,
झट किट्टू गई मान।

चित्र देखकर उनके नाम बोलें।

उत्तर दें

1. अध्यापिका क्या करती है?
2. मेज़ पर कितनी पुस्तकें हैं?
3. विद्‌यार्थी कहाँ जा रहे हैं?

शब्द-ज्ञान

पुस्तक किताब

स्कूल पाठशाला विद्‌यालय

टीचर अध्यापिका